KURMALI HONS./RESEARCH FYUGP VINOBA BHAVE UNIVERSITY

SEMESTER II

I. MAJOR COURSE- MJ 2: (Credits: Theory-06)

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100 Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश :

मध्य छमाही परीक्षा (SIE 20+5=25 Marks) :

20 अंको की मध्य छमाही परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड '।' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में पाँच वस्तुनिष्ठ या लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। 5 अंको का 2 लघु उत्तरीय प्रश्न होगा। खण्ड 'ठ' में दो में से किसी एक 10 अंको के वर्णनात्मक प्रश्न का उत्तर देना होगा।

उपस्थिती आधारित पाँच अंक देने का प्रारुपः (उपस्थिती 45% तक, 1 अंक; 45%<उपस्थिती <55%, 2 अंक; 55%<उपस्थिती <65%, 3 अंक; 65%<उपस्थिती <75%, 4 अंक; 75% <उपस्थिती, 5 अंक)

छमाही परीक्षा (ESE 75 marks):

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में पाँच वस्तुनिष्ठ या अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' से 15 अंको के छः में से किन्हीं चार वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पुछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

कुरमाली भाषा का लोक साहित्य सैद्धान्तिक : 90 व्याख्यान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा : –

1. विद्यार्थी कुरमाली लोकसाहित्य की लक्षण, परिभाषा, क्षेत्र, मौलिक तत्व, प्रेरणाएं एवं महत्व को जान सकेंगे।

2. लोक साहित्य में मानव सभ्यता, संस्कार एवं संस्कृति के विभिन्न अंकित चित्रों के माध्यम से ज्ञान और नीति की शिक्षा–व्यवस्था समझ सकेंगे।

3. लोक साहित्य में कुरमाली भाषा साहित्य के साथ अनेक विषयों के वहुमुल्य रत्न छिपे हुए हैं जिसे विद्यार्थी पूर्वसंचित परम्पराएँ, भावनाएँ, विश्वासों और आदर्शो को अच्छी तरह से जान सकेंगे।

4. कुरमाली लोकसाहित्य के लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य एवं लोकनृत्य के विशेषताएँ और महत्व को भी जान सकेंगे।

5. कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य के अंतर्गत कहावतें / लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली/वुझोबल, बिनती (recitation), बांखेंड़ (Invocation),लोरी और बालगीत से परिचित होंगे तथा उनकी परिभाषा, भेद उपभेद, विशेषताएँ और महत्व को भी जान सकगें।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 लक्षण, परिभाषा, क्षेत्र, मौलिक तत्व, प्रेरणाएं एवं महत्व।

इकाई – 2 लोक साहित्य की विधाएँ – लोकगाथा, लोकगीत, लोकगाथा और लोकगीत में अन्तर, लोककथा, लोकनाट्य, लोकनृत्य एवं प्रकीर्ण साहित्य।

इकाई – 3 प्रकीर्ण साहित्य – कहावतें / लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली/वुझोबल, बिनती (recitation), बांखेंड़ (Invocation), लोरी और बालगीत – विशेषताएँ, महत्व।

सहायक पुस्तकें :–

1. कुरमाली साहित्य विविध संदर्भ : डॉ० एच. एन. सिंह
2. कुरमाली साहित्य का इतिहास : डॉ० मंजय प्रमाणिक
3. कुरमाली लोक साहित्य विश्लेषणात्मक अध्ययन : डॉ० गीता कुमारी सिंह
4. कुरमाली लोकगीत एक अध्ययन : डॉ० संतोष कुमारी जैन
5. लक्ष्मीकांत महतो व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ० मुन्ना राम महतो
6. कुरमाली लोक : डॉ० रामदयाल मुण्डा
7. कुरमाली लोककथा की कथानक रूढ़ियाँ : एक अनुशीलन : डॉ० एच. एन. सिंह
8. हालुक कुड़माली केहनि : डॉ० पी.पी. महतो और डॉ० बी.बी. महतो
9. कुड़माली केहनी : डॉ० मुन्ना राम महतो और प्रवीण कु० महतो
10. कुड़माली कवि और काव्य : डॉ० निताई चन्द्र महतो